

500 डॉलर का अनुदान भी

आईआईटी इंदौर के स्टूडेंट चैप्टर को मिला बेस्ट चैप्टर अवॉर्ड

इंदौर | आईआईटी इंदौर के इंस्टिट्यूट ऑफ इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स (आईईईईई) नैनो टेक्नोलॉजी



काउंसिल (एनटीसी)

स्टूडेंट चैप्टर ने 500

डॉलर के अनुदान के साथ

प्रतिष्ठित "2021 बेस्ट

चैप्टर अवॉर्ड' का खिताब जीता है। टीम ने नैनो टेक्नोलॉजी और इसके वैज्ञानिक, इंजीनियरिंग और औद्योगिक अनुप्रयोगों की डिजाइन तथा विकास को शामिल करने के लिए एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म बनाने पर यह पुरस्कार जीता है। टीम ने इसके अलावा भी कई कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें सोलर सेल पर कार्यशाला, अनुसंधान संगोष्ठी, जहां कई उद्योग विशेषज्ञों और शोध विद्वानों ने प्रेजेंटेशन दिया। गैस सेंसर, हाइड्रोजन उत्पादन, क्वांटम कंप्यूटिंग, ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण जैसे विषयों पर वेबिनार किया।

आईईईईई नैनो टेक्नोलॉजी काउंसिल (एनटीसी) ऐसा संगठन है जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक, साहित्यिक और शैक्षणिक क्षेत्रों में किए गए नैनो टेक्नोलॉजी के काम को आगे बढ़ाना और समन्वय करना है। आईआईटी इंदौर के इंटरैक्टिव एनटीसी स्टूडेंट चैप्टर के पदाधिकारी, प्रो. शैबल मुखर्जी (काउंसलर), संजय कुमार (संस्थापक सदस्य), मयंक दुबे (अध्यक्ष), पवन कुमार (उपाध्यक्ष), रुचि सिंह (सचिव), सुमित चौधरी (कोषाध्यक्ष) और सौरभ यादव (वेबमास्टर) हैं। यह टीम युवा बायोमेडिकल सेंसर और मेमोरी डिवाइस से जुड़ी चर्चा करने के लिए एक इंटरैक्टिव प्लेटफॉर्म बनाने पर काम कर रही है।